यमुना सिटी में औद्योगिक विकास ने पकड़ी रफ्तार, शुरू होंगी 200 इकाइयां

माई सिटी रिपोर्टर

ग्रेटर नोएडा। यमुना सिटी में औद्योगिक विकास ने रफ्तार पकड़नी शुरू कर दी है। इस वर्ष यहां 200 से ज्यादा औद्योगिक इकाइयों का संचालन शुरू होने की उम्मीद है। इन यूनिट्स के जरिये इस क्षेत्र में एक वर्ष में ही 4.47 लाख से रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।

प्राधिकरण ने यमुना सिटी क्षेत्र में 3041 भूखंडों में से 2228 भूखंडों के आवंटियों को लीज प्लान जारी कर दिया है। इनमें से 2154 को चेक लिस्ट भी जारी कर दी गई है, जिनमें से 1553 ने भूखंड की लीज डीड भी करा ली है। अबतक 176 कंपनियों के नक्शों को मंजूरी मिल भी चुकी है, जिनमें से 14 शुरू हो चुकी हैं। करीब 114 का मौके पर निर्माण कार्य चल रहा है। खास बात यह है कि 980 आवंटी भूखंड का भौतिक रूप से कब्जा ले चुके हैं। औद्योगिक गतिविधियां बढ़ने से शहर में करीब 331670.19 करोड़ से अधिक का निवेश आएगा। यमुना सिटी में सेक्टर-24, 24ए, 30, 32, 33 औद्योगिक सेक्टर के रूप में विकसित किए जा रहे हैं। इन सेक्टरों में अबतक 3041 औद्योगिक भूखंडों का आवंटन हो चुका है। यह भूखंड 1880.75 हेक्टेयर क्षेत्रफल में आवंटित किए गए हैं।

> "इस वर्ष यहां 200 से ज्यादा औद्योगिक इकाइयों का संचालन शुरू होने की उम्मीद है। इन यूनिट्स के जरिये इस क्षेत्र में एक वर्ष में ही 4.47 लाख से अधिक लोगों को रोजगार के नए अवसर उपलब्ध होंगे।
> **- डॉ. अरुणवीर सिंह, सीईओ यमुना प्राधिकरण**

पांच बड़ी और नौ छोटी कंपनियों ने शुरू किया उत्पादन: अबतक कुल 14 में पांच बड़ी और नौ छोटी औद्योगिक कंपनियां शुरू हो चुकी हैं। इनमें सेक्टर-29 स्थित सूर्या ग्लोबल फ्लेक्सी फिल्म व बीकानेर वाला शामिल है, जबकि सेक्टर-32 में एवेरी, खुशबू माहेश्वरी, उमा माहेश्वरी कंस्ट्रक्शन, जोगेंद्र यादव, मनीष शर्मा, राजकुमार बालियान, सेवन पिलर्स व एसेंट इंडस्ट्री, मनोज अग्रवाल शामिल हैं। इन 11 कंपनियों ने शहर में 1356.68 करोड़ का निवेश किया है। वहीं, सेक्टर-24ए में वीवो कंपनी का भी संचालन शुरू हो गया है। कंपनी ने 7000 करोड़ का निवेश किया है। कंपनी को 169 एकड़ भूमि का आंवटन वर्ष 2018 में हुआ था। इसमें 156.32 एकड़ भूमि के लिए चेकलिस्ट जारी की गई। कंपनी प्रति वर्ष 6 करोड़ स्मार्ट फोन तैयार करेंगी।